|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१२ जान्युआरी २०२५ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जे प्रमाणे सवाल पूछ्या होय ते प्रमाणे ज जवाब लखवा. वार्ता के थोकडाना लांबा जवाब लखवा नहि।

२) आपना जवाब पेपरमां आपे ओपन बुक आपी छे के रेग्युलर ए खास लखजो। जेमणे नहीं लख्युं होय तेमनो नंबर आवशे तो पण नंबर नहीं आपवामां आवे।

OPEN BOOK / REGULAR	श्रेणी ३	WRITER	YES / NO

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
SANGH NAME		SUPERVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		SUPERVISOR'S SIGN.	

MARKS

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	TOTAL

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमणना आधारे लखो।

(१) नीचेना पाठोनी पूर्ति करो। **(१२)**

१. समणे ..... पाणं

२. दुज्झाओ ..... पाउग्गो

३. खातर ..... जाणी

४. सूव विहिं ..... पाणिय

५. पांचमा थूल ..... पंच

६. ओसा ..... मक्कडा

(२) नीचेना शब्दोना अर्थ लखो। **(७)**

१. आसायणाए ..... २. उस्सुत्तो .....

३. इच्छामिणं ..... ४. दुव्विचिंतिओ .....

५. सिद्धि गइ ..... ६. विहस्स .....

७. काय दुक्कडाए .....

(३) नीचेना शब्दोना मूल पाठ (मागधी शब्द) लखो। **(६)**

१. कर्या होय ..... २. तेत्रीसमांथी कोइपण .....

३. अतिचार ..... ४. विशेष शुद्धि करवा माटे .....

५. मने ..... ६. मस्तकथी अथवा हाथथी स्पर्श .....

(४) नीचेना प्रश्नोना उत्तर माग्या प्रमाणे लखो। **(१५)**

१. खाली जग्या पूरो। **(५)**

१) प्रतिक्रमण एटले ..... दर्शन। .....

२) चौदमा गुणस्थाने ..... नुं प्रतिक्रमण थाय छे। .....

३) पाप प्रवृत्तिना सेवनथी पाछा फरी दोषोनो ..... करवो। .....

४) ..... ए छट्ठो आवश्यक छे। .....

५) न करवा योग्य प्रवृत्तिनुं आचरण करवुं ते ..... छे। .....

६) एकवारनी वंदनामां ..... आवर्तन थाय छे। .....

७) प्रतिक्रमण द्वारा ..... सुधीना दोषोनी ज शुद्धि थाय छे। .....

८) सम्यक्दर्शनना बाधक तत्त्व ..... अने ..... छे। .....

९) ज्ञानना १४ अतिचारमांथी काळ संबंधी ..... अतिचार छे। .....

२. योग्य विकल्प पर टीक करो। **(५)**

१) देवसी, पाखी, अष्टमी, सांवत्सरिक।

२) अतिक्रम, अणाचार, व्यतिक्रम, अतिचार।

३) आत्मा, मन, वचन, काया।

४) चारित्र, अहिंसा, तप, संयम।

५) नमो सिद्धाणं, नमो आयरियाणं, नमो अरिहंताणं, नमो जिणाणं

३. आंकडामां जवाब लखो। **(५)**

१) पापना पगथिया ..... २) दर्शनना अतिचार ..... ३) वंदनाना प्रकार .....

४) श्रमणसूत्रनी संख्या ..... ५) महाहिंसक व्यापार ..... ६) काउसग्गना आगार .....

७) पाखी प्रतिक्रमण केटला दिवसे? ..... ८) मिथ्यात्वनुं प्रतिक्रमण कया गुणस्थाने? .....

९) प्रतिक्रमणमां आगमना प्रकार ..... १०) काळनी अपेक्षाए प्रतिक्रमणना प्रकार .....

(२०)

प्र. २ सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।

(१) नीचेना प्रश्नोना उत्तरना शब्दो कौंसमां आपेला आंकडा प्रमाणे लखो। **(१०)**

१.लोकोत्तर पर्व (६) .....

.....

२. कंदमूळ वापरवाथी वधे (३) .....

३. सफळतानी सीडी (१) .....

(२) नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक वाक्यमां लखो। **(५)**

१. उपकारनी अनुभूतिथी शुं थाय? शुं प्रगटे? .....

.....

२. जीवोनी जतनाथी शुं मळे छे? .....

.....

३. महत्त्वपूर्ण साधना कई छे? .....

.....

४. भगवाने शुं कह्युं छे? .....

.....

५. शेनी अतूट श्रद्धा सफळताना द्वार खोले छे? .....

.....

(३) नीचेना वाक्यो साचा छे के खोटा? खोटा होय ते सुधारीने लखो। **(५)**

१. दरेक कार्यनी सफळता माटे दृढ संकल्प करवो।

.....

२. जतना एटले पापथी बचवानो अमोघ उपाय।

.....

३. खावा माटे जीवन जीववुं जरुरी छे। .....

४. सफळतानी बार चावीओ छे। .....

५. कार्य जतनाथी करवाथी कर्म बंधाता नथी। .....

.....

(१५)

प्र. ३ संस्कार विभाग/तत्त्व विभागना आधारे लखो।

(१) मने ओळखो। (५)

१. हुं दान आपता रोकुं छुं। .....

२. हुं बधा कर्मोनो राजा छुं। .....

३. हुं कर्मनुं रो मटीरियल छुं। .....

४. अनंत गुणोमां हुं मुख्य छुं। .....

५. माराथी बधी ईच्छाओ पूरी थाय। .....

६. मारा कारणे बेडोळ शरीर मळे। .....

७. हुं आंखना पाटा समान छुं। .....

८. मारा कारणे ईन्द्रियनी शक्ति घटे छे। .....

९. साधुना दर्शनथी मने जातिस्मरण ज्ञान थयुं हतुं। .....

१०. मने वशमां राखवाथी ज्ञान वधे छे। .....

(२) खाली जग्या पूरो। (७)

१. ..... - ..... आदि करवाथी ज्ञान वधे छे। .....

२. ..... नो समग्र व्यवहार पोताना ..... अनुसार ज थाय छे। .....

३. जेवा आपणा ..... होय एवा ..... बंधाय छे। .....

४. ....., ... नुं पालन न करवाथी मोहनीय कर्म बंधाय छे। .....

५. ..... कार्यथी दूर रहेजो अने ..... कार्य करता रहेजो। .....

६. एक संतान ..... होय तो एक ..... पण होय छे। .....

७. कोइपण ..... के ..... नी आसक्ति ओछी राखवाथी ज्ञान वधे छे। .....

(३) नीचेना कर्म केवी रीते दूर कराय तेनो पहेलो मुद्दो लखो। (३)

१. अशुभ आयुष्य कर्म

.....

२. शाता वेदनीय

.....

३. नीच गोत्र

.....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञानना आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब एक वाक्यमां लखो।

१. ..... तंदुरस्त तो ..... तंदुरस्त। .....

२. समाचारीना कारणे शेनुं वातावरण सर्जाय छे?

.....

३. विज्ञान शेनो विषय छे?

.....

४. कोनी पासे सर्वश्रेष्ठ ज्ञान छे?

.....

५. जीवने बाह्य साधनो द्वारा शुं मळे छे?

.....

(१०)

प्र. ५ वार्ताना आधारे लखो।

(१) हुं कोण? मने ओळखो। (८)

१. हुं गुणग्राही दृष्टि धरावुं छुं। .....

२. हुं रैवतगिरि पर्वत परथी निर्वाण पाम्यो। .....

३. हुं पांडवोनो सौथी मोटो भाइ छुं। .....

४. में नयसारना भवमां समकितनी प्राप्ति करी। .....

५. में पंचजन्य शंखनो नाद कर्यो। .....

६. में क्रोधावेशमां गायने शींगडाथी पकडी आकाशमां गोळ गोळ फेरवी दूर फेंकी दीधी। .....

७. हुं स्त्रीनुं रुप जोइने संयमथी चलित थयो। .....

८. में मुनिने पडता जोइने तेमनी मश्करी करी। .....

(२) कोण बोले छे? कोने कहे छे? (२)

१. धारिणी देवी तो युवराज्ञी छे छतां तेमनो पुत्र मोज-मजा करे।

.....

२. तमे तमारा भाईनुं वमेलुं शा माटे भोगववा इच्छो छो?

.....

प्र. ६ नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।

१. अनंत .....

.....

..... बनावीशुं।

२. में परभवे .....

.....

.....

..... गया।

३. भावथी .....

.....

..... बनी जाय।

४. करे .....

.....

.....

..... वांकने।

जय जिनेन्द्र

❋ PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
❋ NEXT CLASS STARTS FEBRUARY 3RD/4TH MONDAY AND TUESDAY.
❋ TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
❋ FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.